करेंट अफेयर्स : समसामयिकी विविध

रिजर्व बैंक द्वारा जारी नवीनतम मौद्रिक दरें

- बैंक दर - 6.75 प्रतिशत
- रेपो दर - 6.50 प्रतिशत
- रिवर्स रेपो दर - 3.35 प्रतिशत
- सीआरआर - 4.00 प्रतिशत
- एसएलआर - 18.00 प्रतिशत
- एमएसएफ - 6.75 प्रतिशत

(1 फरवरी, 2025 की स्थिति)

राम मंदिर : महत्वपूर्ण तथ्य

- मंदिर का शिलान्यास - 5 अगस्त, 2020 को पीएम मोदी द्वारा
- राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 जनवरी, 2024 को किया गया।
- आयोध्या के राम मंदिर का निर्माण नागर शैली में किया गया है।
- राम मंदिर का डिजाइन वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा ने किया है।
- मंदिर का निर्माण टाटा और लार्सन एंड टुब्रो कंपनी ने मिलकर किया है।
- 1800 करोड़ की लागत से निर्मित मंदिर की ऊँचाई 161 फीट है।
- रामलला के मूर्ति (ऊँचाई-51 इंच) ने निर्माता अरूण योगीराज है।
- राम मंदिर में 5 मंडप, 392 खंभे तथा 3 मंजिलें है।

भारत मण्डपम : महत्वपूर्ण तथ्य

- भगवान बसवेश्वर की अनुभव मण्डपम की अवधारणा से प्रेरित 'भारत मण्डपम' का उद्घाटन पीएम मोदी ने 26 जुलाई, 2023 को किया।
- इसके वास्तुकार संजय सिंह एवं साइमन एनएएफ (स्पेनिश) है।
- इसका निर्माण शापूरजी पालोनजी एंड कंपनी लिमिटेड ने किया है।
- इसके उच्चतम स्तर पर 7000 लोगों की बैठने की व्यवस्था है।

विश्व की सबसे बड़ी नटराज प्रतिमा

- दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित 'भारत मण्डपम' के सामने अष्टधातु से बनी दुनिया की सबसे बड़ी नटराज प्रतिमा स्थापित की गई है।
- 27 फुट ऊँची और 18 टन वजनी इस मूर्ति को तमिलनाडु के स्वामीमलाई के राधाकृष्णन सतपथी ने तैयार किया है।

भारत का नया संसद भवन : महत्वपूर्ण तथ्य

- पीएम मोदी ने नये संसद भवन का उद्घाटन 28 मई, 2023 को विनायक दामोदर सावरकर की 140वीं जयंती के अवसर पर किया।
- नया भवन सेंट्रल विस्टा परियोजना का हिस्सा है, जिसका निर्माण टाटा लिमिटेड ने 971 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से किया है।
- भवन का डिजाईन HCP डिजाइन एंड प्लानिंग कंपनी ने किया है।
- नए संसद भवन के संयुक्त सत्र में कुल 1272 लोग बैठ सकेंगे।
- नए संसद भवन के लोकसभा सदन में 888 सदस्यों तथा राज्यसभा सदन में 384 सदस्यों की बैठने की व्यवस्था होगी।
- नए संसद भवन के वास्तुकार विमल पटेल है।

भारत के प्रमुख रामसर साइट : 2023-24

नंजरायण पक्षी अभयारण्य	तिरूपूर, तमिलनाडु
काजुवेली पक्षी अभयारण्य	विल्लुपुरम, तमिलनाडु
तवा जलाशय	होसंगाबाद, मध्य प्रदेश
नकटी पक्षी अभयारण्य	जमूई, बिहार
नागी पक्षी अभयारण्य	जमूई, बिहार
मगादी केरे संरक्षण रिजर्व	कर्नाटक
लॉन्गवुड शोला रिजर्व वन	तमिलनाडु
करावेट्टी अभयारण्य	तमिलनाडु
अंकसमुद्र पक्षी संरक्षण रिजर्व	कर्नाटक
अघनाशिनी एश्चुयरी	कर्नाटक
शालबुग आर्द्रभूमि संरक्षण रिजर्व	जम्मू-कश्मीर
हाइगम आद्रभूमि संरक्षण रिजर्व	जम्मू-कश्मीर
ठाणे क्रिक	महाराष्ट्र
कांजीरकुलम पक्षी अभयारण्य	तमिलनाडु
वडुवुर पक्षी अभयारण्य	तमिलनाडु
सुचिन्द्रम थेरूर आर्द्रभूमि कॉम्पलेक्स	तमिलनाडु
चित्रागुड़ी पक्षी अभयारण्य	तमिलनाडु
यशवंत सागर	मध्य प्रदेश
अंशुपा झील	ओडिशा
हीराकुंड जलाशय	ओडिशा
तंपारा झील	ओडिशा
रंगनाथित्तु	कनार्टक
नंदा लेक	गोआ
सतकोशिया गॉर्ज	ओडिशा
वेम्बानूर आर्द्रभूमि काम्प्लेक्स	तमिलनाडु
वेलोड पक्षी अभयारण्य	तमिलनाडु
वेदांथांगल पक्षी अभयारण्य	तमिलनाडु
उदय मार्तण्डपुरम पक्षी अभयारण्य	तमिलनाडु
गल्फ ऑफ मन्नार बायोस्फियर रिजर्व	तमिलनाडु
कूंथानकुलम पक्षी अभयारण्य	तमिलनाडु
पाला आर्द्रभूमि	सियाहा जिला (मिजोरम)
साख्य सागर झील (53वाँ)	शिवपुरी (मध्य प्रदेश)

- वर्तमान में भारत में रामसर साइटों की कुल संख्या - 85
- भारत में सर्वाधिक रामसर साइट है - तमिलनाडु (18)
- भारत का पहला कृत्रिम आर्द्रभूमि स्थल है - हरिके बैराज
- भारत का सबसे छोटा आर्द्रभूमि स्थल है - रेणुका वेटलैंड
- भारत का सबसे बड़ा आर्द्रभूमि स्थल है - सुंदरवन वेटलैंड

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

मिशन चंद्रयान-3 : महत्वपूर्ण तथ्य

- चंद्रयान-3 को 14 जुलाई, 2023 को आंध्र-प्रदेश के श्री हरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से एस. सोमनाथ की अध्यक्षता में ISRO द्वारा LVM3-M4 रॉकेट से लॉन्च किया गया तथा 23 अगस्त, 2023 को सफलतापूर्वक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुँच गया।
- इसमें 3 मॉड्यूल है - प्रोप्ल्शन मॉड्यूल, लैंडर मॉड्यूल और रोवर।
- 'लैंडर' को विक्रम तथा 'रोवर' को प्रज्ञान नाम दिया गया है।
- चंद्रयान-2 को 22 जुलाई, 2019 को के. सिवन की अध्यक्षता में ISRO द्वारा GSLV मार्क-3 रॉकेट से लॉन्च किया गया था।

भारत सरकार के आगामी लक्ष्य

लक्ष्य	वर्ष
पशुओं में फुट और माउथ एवं ब्रुसेलोसिस रोग पर नियंत्रण	2025
सभी गाँवों में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने का लक्ष्य	2025
यूरिया आयात को बंद करने का लक्ष्य	2025
भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य	2025
भारत को टीबी (TB) मुक्त देश बनाने का लक्ष्य	2025
पेट्रॉल में एथेनॉल को 20% मिश्रित करने का लक्ष्य	2025
1 ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य	2028
वेटिंग टिकट को खत्म कर कनफर्म टिकट देने का लक्ष्य	2027
1 ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य	2028
100 मीट्रिक टन कोयला गैसीकरण प्राप्त करने का लक्ष्य	2030
पशुओं में फुट और माउथ रोग के उन्मूलन का लक्ष्य	2030
सेवा क्षेत्र में 1 ट्रिलियन डॉलर निर्यात का लक्ष्य	2030
कुल कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी	2030
विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य	2030
भारतीय रेलवे को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जक बनने का लक्ष्य	2030
भारत से पूर्ण रूप से मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य	2030
कुल वाहन में 30% इलेक्ट्रिक वाहन करने का लक्ष्य	2030
HIV / एड्स को खत्म करने एवं मलेरिया उन्मूलन	2030
500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य	2030
280 गीगावाट सौर ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य	2030
चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने का लक्ष्य	2040
भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य	2047
हाइड्रोफ्लोरो कार्बन के उपयोग को 80% तक कम करना	2047
परमाणु ऊर्जा क्षमता को 1 लाख मेगावाट करने का लक्ष्य	2047
भारत को ऊर्जा स्वतंत्र/आत्मनिर्भर देश बनाने का लक्ष्य	2047
पोत निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य	2047
मुम्बई शहर में शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य	2050
भारत द्वारा शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य	2070
भारत द्वारा नेट जीरो का लक्ष्य	2070

वर्ष 2022-24 में स्थापित प्रमुख 'स्टैच्यू'

- **स्टैच्यू ऑफ यूनियन** (भारत के बाहर हनुमान जी की सबसे ऊंची प्रतिमा)
  - हनुमान जी की 90 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण टेक्सास के ह्यूस्टन (अमेरिका) के पास सुगरलैंड शहर में किया गया है।
- **स्टैच्यू ऑफ वेलोर**
  - असम के जोरहाट में 125 फीट ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ वेलोर' अहोम जनरल लाचित बोरफुकन की कांस्य प्रतिमा है।
- **स्टैच्यू ऑफ सोशल जस्टिस** (सामाजिक न्याय की प्रतिमा)
  - आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा शहर में स्थित 125 फुट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ सोशल जस्टिस' बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा है।
- **स्टैच्यू ऑफ वननेस** (एकात्मता की प्रतिमा)
  - मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में सरयू नदी के किनारे मांधाता पर्वत पर स्थित 108 फीट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ वननेस' आदि शंकराचार्य की प्रतिमा है।
- **स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी** (समानता की मूर्ति)
  - हैदराबाद (तेलंगाना) में स्थित 216 फीट (65.5 मी.) ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी' संत श्री रामानुजाचार्ज की प्रतिमा है।
- **स्टैच्यू ऑफ नॉलेज**
  - महाराष्ट्र के लातूर में स्थापित 70 फुट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ नॉलेज' डॉ. बी. आर. अंबेडकर की प्रतिमा है।
- **स्टैच्यू ऑफ प्रॉस्पेरिटी**
  - बेंगलुरू (कर्नाटक) में स्थित 108 फीट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ प्रोस्पेरिटी' श्री नाथ प्रभु कॅंपेगौड़ा (बेंगलुरू के संस्थापक) की प्रतिमा है।
  - इस प्रतिमा के मूर्तिकार राम वी. सुतार है।
- **स्टैच्यू ऑफ पीस**
  - राजस्थान के पाली जिले के जैतपुरा में स्थित 27 फुट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ पीस' जैन आचार्य विजय वल्लभ सुरीश्वर जी महाराज की मूर्ति है।
- **श्री रामानुजाचार्य की स्टैच्यू ऑफ पीस/शांति प्रतिमा**
  - 2022 में गृह मंत्री अमितशाह ने श्री रामानुजाचार्य की 4 फुट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ पीस' का अनावरण जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में किया।
- **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी**
  - गुजरात के केवड़िया में नर्मदा नदी के तट पर स्थित 182 मी. (597 फीट) ऊँची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा है।
  - इस मूर्ति के शिल्पकार राम वी. सुतार है।
- **स्टैच्यू ऑफ बिलीफ**
  - राजस्थान के नाथद्वारा शहर में स्थित 112 मी. (369 फुट) ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ बिलीफ (विश्वास स्वरूपम्)' भगवान शिव की प्रतिमा है।

वंदे भारत ट्रेन (ट्रेन-18) की शुरूआत

- पहली ट्रेन - 15 फरवरी, 2019 (दिल्ली से वाराणसी के बीच)
- वंदे भारत चलाने वाली पहली महिला ड्राइवर - सुरेखा यादव
- वंदे भारत का निर्माण - इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई
- वंदे भारत का पुराना नाम - ट्रेन-18
- दक्षिण भारत की पहली वंदे भारत ट्रेन - बेंगलुरू से चेन्नई के बीच

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"